साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 05 | गोंदिया : गुरुवार, 9 से 15 सितम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बाघ नदी में डूबे चारों युवकों के शव बरामद

२ दिनों तक चला राहत व बचाव अभियान

गोंदिया - आमगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कालीमाटी के लोग ७ सितंबर की सुबह मुंडीपार घाट पर मारबद विसर्जन करने गए थे। विसर्जन के पश्चात नहाने उतरे चार युवक पानी में डूब गए थे। जिसकी जानकारी जिला प्रशासन को होते ही राहत व बचाव कार्य शुरु किया गया। २ दिनों तक चले इस अभियान में ८ सितंबर को दोपहर १२ से १ बजे के दौरान चारों युवकों के शव नदी से ढूंढकर निकाले गए।

गौरतलब है कि मारबद विसर्जन के दौरान ग्राम कालीमाटी के १५ से २० युवक मुंडीपार घाट पर गए थे। विसर्जन के पश्चात सभी युवक बाघ नदी में नहाने के लिए उतरे। लेकिन तेज बहाव होने तथा संतुलन डगमगा जाने से दो युवक डूबने लगे। जिन्हें बचाने के लिए अन्य दो युवक पहुंचे। लेकिन वे भी पानी के तेज बहाव में अपना संतुलन नही बना पाए और वे भी बह गए। इसकी जानकारी अन्य साथियों द्वारा ग्राम के नागरिकों को दी गई। गांव के लोगों ने तत्काल घटना की सूचना आमगांव पुलिस थाने में की। घटना की जानकारी जिला प्रशासन को मिलते ही जिला आपदा प्रबंधन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा राहत व बचाव अभियान शुरु किया गया। २ दिनों तक चले इस अभियान में ग्राम कालीमाटी निवासी युवक संतोष अशोक बहेकार (१९), रोहित नंदकिशोर गायकार (१८) मयूर अशोक खोब्रागडे (२१) व सुमित दिलीप शेंडे (१७) का शव राहत व बचाव दल नदी से ढुंढकर निकाला गया। ७ सितंबर को देर शाम तक राहत व बचाव कार्य चलाया गया। लेकिन रात में अंधेरा होने के चलते ८ सितंबर की सुबह ६ बजे फिर से अभियान चलाते हुए घटनास्थल से ५०, १०० व २०० मीटर दूरी पर ही चारों युवकों के शव मिले। ग्राम के चार युवकों की एक साथ मौत होने से संपूर्ण ग्राम व आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल निर्माण हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही जिला अधिकारी नयना गुंडे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के नेतृत्व में उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नाकुल, आमगांव के तहसीलदार दयाराम भोयर, आमगांव के पुलिस निरीक्षक विलास नाडे की उपस्थिति में रेस्क्यू टीम के नरेश ऊके, राजकुमार खोटेले, राजकुमार बोपचे, जसवंत रहांगडाले, रवि भंडारकर, संदीप कराडे, दीनू दीप, राज अंबादे, सुरेश पटेल, चालक मंगेश डोये, इंद्रकुमार बिसेन, चुन्नीलाल मुटकुरे, जबराम चिखलोंडे, गिरधारी पतेह, चिंतामन गिरिपुंजे आदि ने राहत व बचाव कार्य में सहयोग किया।

नहर में डूबकर एक की मौत

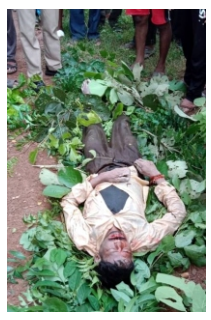

अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरडटोली निवासी दिलीप केशव मेश्राम (४२) ७ सितंबर की शाम ईटियाडोह की नहर के पानी में बह गया था। शाम तक उसके घर लौट कर नहीं आने पर परिवार द्वारा तलाश शुरु की गई। जिसके पश्चात ८ सितंबर की दोपहर ३ बजे के दौरान राहत व बचाव दल द्वारा ईटियाडोह बांध की पसीने बैराज के समीप उसका शव पाया। उपरोक्त मामले में अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत जाफो १७४ के तहत मामला दर्ज कर निरीक्षक सतीश जाधव के मार्गदर्शन में पुलिस नायक रोशन गोंडाने, मोहन कुहीकर द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

स्कार्पियो ने दुपहिया को मारी टक्कर १ युवक की मौत, २ गंभीर

देवेंद्र सेलोकर – देवरी तहसील के ग्राम चिचेवाड़ा (मल्हारबोडी) में स्कार्पियो गाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि २ युवक गंभीर रुप से जख्मी हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिचेवाड़ा निवासी विनायक मधुकर गावळ (२४), प्रदीप धानगाए (२७) और लिखेंद्र गावळ (२६) ७ सितम्बर को करीब १२ बजे मोटरसाइकिल से अपने गांव की ओर जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन चालाक आरोपी द्वारा लापरवाहीपूर्वक स्कार्पियो एमएच४० एआर०१०७ चलाते हुये मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे विनायक गावळ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसके दो साथी गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रवाना कर दिया गया। दुर्घटना कि जानकारी मिलते ही देवरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्कार्पियो चालक की तलाश शुरु कर दी।

गोंदिया की श्वेता राहंगडाले बनी मिस सेंट्रल इंडिया २०२१

गोंदिया – नागपुर में सिनेस्टेप द्वारा आयोजित सेंट्रल इंडिया फैशन शो २०२१ में नागपुर, पुणे, इंदौर, रायपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद से कुल ४५० पार्टिसिपेंट ने ऑनलाइन भाग लिया। जिसमें बौद्धिक तथा विभिन्न प्रकार के राउंड लिए गए। इस प्रतियोगिता में गोंदिया की श्वेता राहंगडाले ने अपना टैलेंट राउंड में अभिनय दिखाकर व रैंप वॉक कर उपस्थित जजों का मन मोह लिया।

इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में अभिनेत्री व इंटरनेशनल मॉडल साक्षी मेश्राम, साइली टेकाम, धनिष्ठा सिद्धार्थ, साक्षी सातपुते, इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट सुनीता कामले, मॉडल राशि गजभिए प्रमुख रुप से उपस्थित थे। सेकंड रनरअप सेंट्रल इंडिया २०२१ बनी श्वेता राहंगडाले को दिग्दर्शक अनिल साहने ने पुष्पगुच्छ देकर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अनिल साहने ने उपराजधानी नागपुर का और सीने स्टेप द्वारा हुए फैशन क्षेत्र का नाम रोशन किया है तथा उपस्थित सभी सहभागी मॉडलों को तथा उनके परिवार तथा मार्गदर्शकों का आभार व्यक्त किया।

हजारों विद्यार्थी उच्चशिक्षा छात्रवृत्ति से वंचित

गोंदिया – समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, एसबीसी तथा वीजे एनटी प्रवर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाती है। जिससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिले में १ हजार २१२ विद्यार्थियो द्वारा महाविद्यालय स्तर पर आवेदन दिया है। किंतु वे अपूर्ण होने के चलते विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से वंचित होना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में शैक्षणिक सत्र २०२०-२१ में अनुसूचित जाति के ४ हजार ९९३, पिछड़ा वर्ग के १६ हजार १७५, एसबीसी के ८५६ व वीजेएनटी प्रवर्ग के १ हजार ६१५ विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति के आवेदन पात्र किए गए। किंतु महाविद्यालय स्तर पर अनुसूचित के ३९५, पिछड़ा वर्ग के ६५६, एसबीसी के ६४ व वीजेएनटी के ९७ विद्यार्थियों के आवेदनों में त्रुटियां होने से वे छात्र अपात्र पाए। जिस कारण इन छात्रों को छात्रवृत्ति से वंचित होना पड़ रहा है। ऐसे में अब उनके समक्ष आगे की पढ़ाई के लिए महाविद्यालय से शैक्षणिक प्रमाणपत्र लेने के बदले अपनी जेब से फीस देनी पड़ रही है।

विशेष यह है कि अनेक विद्यार्थी शाला की फीस भरने में असमर्थ हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से कक्षा बारहवीं के पश्चात व्यवसायिक पाठ्यक्रम के साथ उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिया जाता है। इसके लिए अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, एसबीसी, वीजेएनटी जाति वर्ग के विद्यार्थी ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से आवेदन भरते हैं। इसके लिए संबंधित विद्यालय के पास दस्तावेज प्रस्तुत करना होता है। जो छात्रवृत्ति प्राप्त होती है वह फीस के रुप में विद्यार्थियों से ली जाती है। जिस कारण हजारों विद्यार्थी छात्रवृत्ति पर ही निर्भर होते हैं। किंतु अब यह परेशानी सामने आ रही है कि छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए स्वयं के खर्चे से फीस देकर शैक्षणिक प्रमाणपत्र प्राप्त करना पड़ रहा है। लेकिन अधिकांश विद्यार्थी गरीब परिवार के होने के कारण असमर्थ है। साथ ही गत २ वर्षों से कोरोना संकट के चलते गरीब परिवार पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थी कहां से फीस जमा करेंगे, यह गंभीर समस्या उनके समक्ष निर्माण हो गयी है।

जमीन विवाद में पानी में डुबोकर जान से मारने का प्रयास

गोरेगांव तहसील के ग्राम सोनी का मामला

संवाददाता – गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम सोनी में खेती की जमीन के विवाद को लेकर दो आरोपियों द्वारा एक किसान की बेदम पिटाई कर पानी में डुबोकर जान से मारने का मामला सामने आया है। इस संदर्भ में सोनी निवासी फरियादी सुरेंद्र केशवराव पुंडे (४५) ने गोरेगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत दर्ज होने के पश्चात गोरेगांव पुलिस द्वारा सोनी निवासी राजेंद्र बसंता पटले व उमेंद्र पटले नामक दो आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३०७, ३२६ ,३२३, ५०४, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में लिया तथा आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां आरोपियों को १ सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। इसके पश्चात आरोपियों को एमसीआर के आधार पर भंडारा जेल भेजे जाने का आदेश दिया गया।

इस मामले में जांच पुलिस निरीक्षक सचिन म्हैत्रे के मार्गदर्शन पुलिस उपनिरीक्षक विजय जाधव द्वारा की जा रही है। आरोपी राजेंद्र पटले यह पेशे से शिक्षक है तथा उमेंद्र पटले एसटी महामंडल गोंदिया डिपो में बस चालक के रुप में कार्य कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र पुंडे के साथ आरोपी शिक्षक राजेंद्र पटले व उमेंद्र पटले के बीच खेती की भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर उपरोक्त आरोपियों ने शिकायतकर्ता को लाठी तथा लात मुक्को से पिटाई कर दी तथा दांत तोड़ दिए व पानी से भरे टंकी में डूबा कर जान से मारने का प्रयास किया। इस हादसे में फरियादी गंभीर रुप से जख्मी हो गया। शिकायतकर्ता सहित पांच आरोपियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया।

उपरोक्त घटना को लेकर उमेंद्र पटले ने भी गोरेगांव पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जिसमें सुरेंद्र केशवराव पुंडे, सचिन भूपेंद्र पुंडे, भूपेंद्र केशवराव पुंडे, धागेश्वरी सुरेंद्र पुंडे, सोमेश्वरी भूपेंद्र पुंडे के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। इस संदर्भ में पुलिस द्वारा बताया गया कि आरोपियों द्वारा खेती के विवाद को लेकर शिकायतकर्ता के साथ विवाद किया गया था तथा विवाद बढ़ने पर आरोपी सचिन पुंडे ने शिकायतकर्ता के सिर पर लाठी से वार कर घायल कर दिया तथा वहीं अन्य आरोपियों द्वारा भी पिटाई की गई। शिकायतकर्ता उमेंद्र पटले की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३२३, ३२४, १४३, १४७, १४८, १४९ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस हवलदार टेकचंद गाते द्वारा की जा रही है।

भंबोडी गांव में जमीन से मूर्ति प्रकट होने की अफवाह

गोंदिया जिले के तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले मुंडीकोटा के समीप स्थित ग्राम भंबोडी में एक किसान के खेत से पत्थर की मूर्तियां निकलने की अफवाह फैलते ही खेत परिसर में बड़ी संख्या में नागरिकों की भीड़ जमा हो गयी व अंधश्रद्धा के चलते पूजन कार्य शुरु हो गया। इसकी जानकारी अंधश्रद्धा निवारण समिति को मिलते ही समिति के कार्यकर्ता अतित डोंगरे घटनास्थल पर पहुंचकर अपने सहयोगी सरपंच कमलेश अथिलकर, पूर्व सरपंच चंदू लिल्हारे, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील अटराहे के साथ पहुंचकर मामले की जांच शुरु की तो उन्हें वहां दिखाई दिया कि ग्राम के किसान सुरेश तिरोड़े के खेत परिसर में पत्थर जैसी वस्तु दिखाई दे रही है।

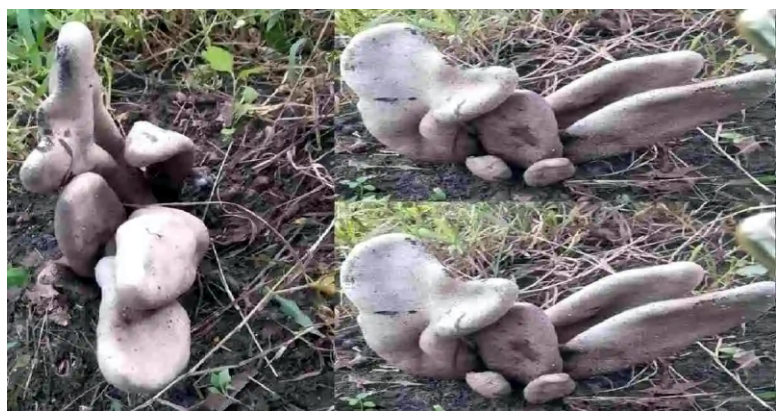

हाथ लगाने पर पता लगा कि वह पत्थर जैसी दिखने वाली वनस्पति है, जो हाथ लगाते से ही टूट रही हैं। इसके पूर्व अफवाह के अनुसार व ठोस पत्थर की होने के साथ ही टन-टन आवाज करने के साथ ही रंग बदल रही है। लेकिन इसका खुलासा होते ही अंधश्रद्धा का मामला सामने आया तथा लोगों के झूठे दावे की पोल खुल गई। उल्लेखनीय है कि बारिश के दिनों में मशरुम, भंबोरी या अन्य जंगली वनस्पतियां उगाती हैं, जो पत्थर या अन्य किसी वस्तु जैसी होने का भ्रम निर्माण करती है।

आमगांव रेलवे फाटक बन रहा दुर्घटना का कारण

वाहन चालकों को हो रही परेशानी

गोंदिया – आमगांव मार्ग पर किडंगीपार में स्थित मुंबई-हावड़ा रेलवे चौकी का गेट दुर्घटना का कारण साबित हो रहा है। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि गोंदिया-आमगांव मार्ग पर मुंबई-हावड़ा रेलवे लाईन किडंगीपार चौकी का रेलवे गेट गत कुछ दिनों से खराब होने के चलते समय पर खुलना व बंद नहीं हो पाता। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियां तो हो रही है। साथ ही कभी भी एक गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती है। उपरोक्त मार्ग पर ट्रेन के आगमन के पूर्व गेट को बंद किया जाता है। किंतु ट्रेन के निकल जाने के पश्चात जब गेट को खोला जाता है तो एक साइड का ही गेट पूरी तरह खुल पाता है। जिसके चलते दूसरी तरफ के वाहन चालक हड़बड़ी में पटरी तक आ जाते हैं। किंतु दूसरा गेट समय पर नहीं खुलने से यातायात बाधित हो जाता है। यदि इस दौरान अन्य ट्रेन के आगमन का समय हो गया, तो पटरी पर खड़े वाहन चालकों के साथ कभी भी गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती हैं। क्षेत्र के नागरिकों व वाहन चालकों द्वारा रेलवे प्रशासन से मांग की है कि उपरोक्त गेट का सुधार तत्काल किया जाए। जिससे वाहन चालकों व नागरिकों को राहत मिल सके।

जुआ अड्डे पर छापा ६ हिरासत में

संवाददाता – अर्जुनी मोरगांव के वन परीक्षेत्र अधिकारी कार्यालय के समीप की इमारत की छत पर शुरु जुए अड्डे की गुप्त जानकारी गोंदिया लोकल क्राइम ब्रांच को प्राप्त होते ही पुलिस उपनिरीक्षक मनोज भास्कररराव उघड़े द्वारा अपने दल के साथ छापामार कार्रवाई कर छह आरोपियों को हिरासत में लिया। जिसमें अर्जुनी मोरगांव निवासी ब्रजेश कोरे, मंगेश हरने, राकेश डोंगरवार, लोकेश उमेश क्षीरसागर व बोंडगांवदेवी निवासी विश्राम रामटेके, विकास बरैया को हिरासत में लिया। आरोपियों की तलाशी लिए जाने पर ताश के पत्ते, ८००० रु. नगद, ४ मोटरसाइकिल, ५ मोबाइल जप्त कर आरोपियों के खिलाफ पुलिस उपनिरीक्षक की शिकायत पर महाराष्ट्र जुगार बंदी कानून की धारा ४ व ५ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव के मार्गदर्शन में रमेश सेलोकर व मडावी कर रहे हैं।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

संपादकिय

फर्जी का जंजाल

मुख्यधारा मीडिया के समांतर सोशल मीडिया पर सूचना का विशाल संसार निरंतर रचा जाता और प्रसारित होता रहता है। निस्संदेह इससे बहुत सारी ऐसी सूचनाएं भी लोगों तक पहुंच पाती हैं, जो मुख्यधारा मीडिया में नहीं आ पातीं या जिन्हें वह जानबूझ कर छोड़ देता है। इसलिए इसको सूचना का एक सशक्त माध्यम माना जाता रहा है। मगर पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया मंचों पर जिस तरह की निरंकुशता दिखाई देने लगी है, वह सचमुच चिंता का विषय है। चूंकि सोशल मीडिया पर अपना खाता बनाने या न्यूज चैनल चलाने के लिए किसी प्रकार का लाइसेंस लेने या किसी कानूनी प्रक्रिया से गुजरने की जरुरत नहीं होती, इसलिए बहुत सारे लोगों ने इसे अभिव्यक्ति के सहज माध्यम के रुप में अपना लिया है।

इनमें ऐसे लोगों की भी संख्या बहुत बड़ी है, जो किसी दलगत विचारधारा, धार्मिक मान्यता, सामाजिक रुढ़ि आदि के वशीभूत होकर नफरत फैलाने की मंशा से फर्जी सूचनाएं गढ़ते और परोसते रहते हैं। अनेक निजी चैनलों पर सांप्रदायिक रंग देते हुए सामग्री परोसी जाती है। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए स्वाभाविक ही अदालत ने गहरी चिंता जताई है। उसने केंद्र सरकार से पूछा है कि ऐसी खबरें परोसने वाले निजी चैनलों पर अंकुश लगाने के लिए क्या आपने कभी कोशिश की है।

हालांकि फर्जी खबरों पर अंकुश लगाने के मकसद से केंद्र सरकार ने यू-ट्यूब आदि पर चलने वाले निजी चैनलों पर निगरानी रखने का एक तंत्र विकसित करने का इरादा जताया था, मगर उसमें पारदर्शिता न होने के कारण सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि केवल सत्ता के विरोध में आवाज उठाने वाले लोगों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। फर्जी, वैमनस्यतापूर्ण और सांप्रदायिकता फैलाने वाली और सरकार की नीतियों, फैसलों आदि की आलोचना करने वाली टिप्पणियों, विचारों में अंतर करने की जरुरत है। फर्जी खबरें कभी एक स्वस्थ समाज के विकास में सहायक नहीं हो सकतीं। उनसे समाज में नफरत और हिंसा को ही बढ़ावा मिल सकता है।

सरकार की आलोचना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है। मगर चूंकि केंद्र सरकार जिन नियम-कायदों के जरिए फर्जी खबरों पर नकेल कसना चाहती थी, उसमें सरकार के आलोचक चैनलों को सबक सिखाने की मंशा अधिक थी, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने इससे संबंधित नियम-कायदों को व्यावहारिक बनाने को कहा था। हालांकि तब अदालत ने जोर देकर कहा था कि मीडिया- प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया- को अधिक जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने की जरुरत है, बिना खबरों की पुष्टि के उन्हें छापने, प्रसारित करने, उन पर टिप्पणी करने से परहेज करना चाहिए। फिर सरकार ने इन मंचों के नियमन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कानून में संशोधन और परिवर्द्धन कर लागू कर दिया।

शुरु से जोर दिया जाता रहा है कि मीडिया में स्वनियमन होना चाहिए। मगर हकीकत यह है कि संचार माध्यम शायद अपनी नैतिक जिम्मेदारी भूलते जा रहे हैं। सोशल मीडिया ही क्यों, कोरोना की पहली लहर में जिस तरह तबलीगी जमात और पालघर मामले में मुख्यधारा मीडिया ने भी तथ्यों को बिना जांचे-परखे खबरें चलानी शुरु की थी, उससे सामाजिक समरसता को खतरा पैदा हो गया था। सोशल मीडिया का हाल यह है कि उस पर बहुत सारे एसे निजी चैनल खुल गए हैं, जो किसी दलगत या धार्मिक विचारधारा से संचालित हैं। उनकी खबरें न सिर्फ फर्जी ढंग से गढ़ी हुई होती हैं, बल्कि नफरत को बढ़ावा देती हैं। इसलिए ऐसी खबरें और विचार परोसने वाले चैनलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता वाजिब है।

नागरा धाम का सौंदर्यीकरण कर किया जाएगा विकास - विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया जिले का प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र पंचमुखी महादेव नागरा धाम तीर्थस्थल के सौंदर्यीकरण के लिए वृक्षधरा फाउंडेशन की स्थापना कर पौधारोपण किया जा रहा है। पौधारोपण के आयोजित कार्यक्रम में गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ग्राम के युवाओं द्वारा आगे आकर पौधारोपण कर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने का बीड़ा स्वयं उठाया है। इस सौंदर्यीकरण की श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास व सौंदर्यीकरण का कार्य संपूर्ण नियोजित तरीके से कर परिसर को हरियाली युक्त बनाया जाएगा तथा युवाओं द्वारा वृक्षधरा फाउंडेशन नागराधाम शाखा की स्थापना कर जो पौधारोपण का अभियान शुरु किया गया है वह सराहनीय है। जिससे क्षेत्र की एक अलग पहचान युवाओं के माध्यम से बन रही है।

उपरोक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष ग्राम के सरपंच धनलाल नागपुरे, प्रमुख अतिथि अशोक गुप्ता, योगराज राहंगडाले, शिव मंदिर ट्रस्ट समिति के सियाराम मंडाले, पन्नालाल मचाडे, चमनलाल बूढ़ेकर, बिहारीलाल लिल्हारे, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश चौरागढ़े, गोंदिया ग्रामीण पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे, पूर्व जिप सदस्य रमेश लिल्हारे, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता टीटूलाल लिल्हारे, पूर्व पंचायत समिति उपसभापति चमनलाल बिसेन, उपसरपंच नरेश नागरीकर, तिजेश गौतम, गुड्डा लिल्हारे, अजय बान्ते, पुष्पा ढेकवार, ममता गणवीर, सरिता ढेकवार, श्वेता बघेले, नितिन कुंडभरे, प्रकाश बुडेकर, महेश पगारवार, खिलेश्वरी भेदरे, कलाबाई चौधरी, शांताबाई राऊत, ममता चिखलोंडे, सरस्वताबाई पगारवार प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

अतिथियों द्वारा वृक्षधरा फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए पर्यावरण के संरक्षण व संतुलन के लिए चलाए जा रहे इस अभियान में आगे आने का आवाहन भी किया है। साथ ही आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम के सेवानिवृत्त शिक्षकों का सत्कार किया गया। साथ ही ग्राम के वीरगति प्राप्त सैनिक मनोज आत्माराम बिंझाड़े व राजेंद्र संतुजी दमाहे तथा ग्राम पंचायत सिपाई विनोद गणवीर की स्मृति में पौधारोपण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन मुरली लिल्हारे व आभार प्रदर्शन सुरेंद्र लिल्हारे ने माना।

आयोजित कार्यक्रम में वृक्षधरा फाउंडेशन के मार्गदर्शक सुरेंद्र लिल्हारे, सुरेश लिल्हारे, बबलु बारेवार, मंदिर के पुजारी राजू भारती, महेश बडगे, पदाधिकारी एवं सदस्य ओम बारेवार, राकेश दमाहे, विनोद बान्ते, योगेश बारेवार, अजय बारेवार, अजय दमाहे, नितेश शेंडे, अजय लिल्हारे, गिरीसिंग ढेकवार, रुपेश लिल्हारे, सागर बनोटे, निलेश ढेकवार, अरुण राउत, रमेश लिल्हारे, दुर्गाप्रसाद दमाहे, वैभव दमाहे, रमेश लिल्हारे, नितेश बारेवार, शिवम बारेवार, तिलक गणविर, गंगाराम लिल्हारे, सुनील नेवारे, राजकुमार लिल्हारे, वीर लिल्हारे, बाल्या राऊत, चुन्नीराज पतैहे, मुन्ना पतैहे, स्वयंसेविका त्रिवेणी बान्ते, नेहा बारेवार, वर्षा ठाकुर, गुंजन ठाकुर, दुर्गा नेवारे, पल्लवी बारेवार, सलोनी तिवडे, पुर्णिमा नेवारे, नंदिनी नेवारे ने सभी पर्यावरणप्रेमी एवं भोलेबाबा के भक्तों से इस अभियान में जुड़ने का आवाहन किया एवं ग्रामपंचायत नागराधाम, शिव मंदिर ट्रस्ट समिति तथा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रुप से सहकार्य करने वाले सभी महानुभाओं का हार्दिक धन्यवाद दिया।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र पर मिलनसार और सौहार्दपूर्ण वातावरण के चलते अच्छा करने को प्रेरित होंगे। धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

वृषभ : पढ़ाई में दूसरों से आगे निकलने के लिए देर रात मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। प्रोफेशनली अपने काम को लेकर सतर्क रहें और कोई भी गलती न छोड़ें। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

मिथुन : काम को लेकर आपके सर्वश्रेष्ठ व्यवहार के चलते किसी महत्वपूर्ण कार्य के अच्छी तरह से पूरा होने की संभावना है। किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। अपने साथी के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश करें। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्राओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

कर्क : इस हफ्ते चाहे कोई आपके साथ कितना ही गलत कर ले, पर आप उसे माफ करने के मूड में रहेंगे। समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर कोई आपकी उपलब्धियों की प्रशंसा कर सकता है। विदेश यात्राओं के योग बन रहे हैं। किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं, जो निराशाजनक साबित हो सकता है। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। इस हफ्ते व्यवसाय करने वाले लोगों को विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कन्या : प्रोफेशनल्स और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग अतिरिक्त कार्यभार को कुशलता से पूरा करने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी के किसी विवाद के चलते भाई-बहनों के खिलाफ खड़ा होने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

तुला : धन संबंधित मामलों को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझाने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। माता-पिता या बुजुर्ग आप पर किसी ऐसे काम को करने का दबाव बना सकते हैं जिसे आप सहमत नहीं होंगे। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

वृश्चिक : अपने उत्कृष्ट बातचीत कौशल के चलते इस सप्ताह हर किसी को प्रभावित करने में सफल होंगे। पिछले किए गए किसी निवेश के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

धनु : शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय चल रहा है। कोई ऑफिस में आपके कार्यभार को साझा करने की पेशकश कर सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझाव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

मकर : सेहत से जुड़ी किसी समस्या में घरेलू उपचार अपनाना फायदेमंद साबित होगा। इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : प्रोफेशनली ये सप्ताह आपके लिए उत्कृष्ट साबित होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मीन : कार्यक्षेत्र पर किसी मुश्किल समस्या का समाधान करने से आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। यात्राओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

पोला

भारत देश कृषिपधान देश है, यहां कृषि को अच्छा बनाने में मवेशियों का भी विशेष योगदान होता है। भारत में इन मवेशियों की पूजा की जाती है। पोला का त्यौहार उन्ही में से एक है, जिस दिन कृषक गाय, बैलों की पूजा करते हैं। पोला का त्यौहार विशेष रुप से छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

पोला के दिन किसान और अन्य लोग पशुओं की, विशेष रुप से बैल की पूजा करते है, उन्हें अच्छे से सजाते हैं। इसलिये पोला को बैल पोला भी कहा जाता है।

पोला का त्यौहार भादो माह की अमावस्या को जिसे **पिठोरी अमावस्या** भी कहते है, उस दिन मनाया जाता है। यह अगस्त-सितम्बर महीने में आता है। महाराष्ट्र में इस त्यौहार को बड़ी धूमधाम से मनाते है, विशेष तौर पर विदर्भ क्षेत्र में इसकी बड़ी धूम रहती है। वहां यह त्यौहार दो दिनों तक मनाया जाता है। वहां बैल पोला को मोठा पोला कहते हैं एवं इसके दुसरे दिन को तन्हा पोला कहा जाता है।

पोला त्यौहार का नाम पोला क्यों पड़ा

विष्णु भगवान जब कान्हा के रुप में धरती में आये थे, जिसे कृष्ण जन्माष्टमी के रुप मे मनाया जाता है। तब जन्म से ही उनके कंस मामा उनकी जान के दुश्मन बने हुए थे। कान्हा जब छोटे थे और वासुदेव-यशोदा के यहां रहते थे, तब कंस ने कई बार कई असुरों को उन्हें मारने भेजा था। एक बार कंस ने पोलासुर नामक असुर को भेजा था, इसे भी कृष्ण ने अपनी लीला के चलते मार दिया था, और सबको अचंभित कर दिया था। वह दिन भादो माह की अमावस्या का दिन था, इस दिन से इसे पोला कहा जाने लगा। यह दिन बच्चों का दिन कहा जाता है, इस दिन बच्चों को विशेष प्यार, लाढ देते है। भारत, जहां कृषि आय का मुख्य स्त्रोत है और ज्यादातर किसानों द्वारा खेती के लिए बैलों का प्रयोग किया जाता है, इसलिए किसान पशुओं की पूजा आराधना एवं उनको धन्यवाद देने के लिए इस त्योहार को मनाते है।

पोला दो तरह से मनाया जाता है, बड़ा पोला एवं छोटा पोला। बड़ा पोला में बैल को सजाकर उसकी पूजा की जाती है, जबकि छोटा पोला में बच्चे खिलौने के बैल या घोड़े को मोहल्ले पड़ोस में घर-घर ले जाते है और फिर कुछ पैसे या गिफ्ट उन्हें दिए जाते है।

महाराष्ट्र में पोला पर्व मनाने का तरीका

पोला के पहले दिन किसान अपनी बैलों के गले,एवं मुहं से रस्सी निकाल देते है। इसके बाद उन्हें हल्दी, बेसन का लेप लगाते है, तेल से उनकी मालिश की जाती है। इसके बाद उन्हें गर्म पानी से अच्छे से नहलाया जाता है। अगर पास में नदी, तालाब होता है तो उन्हें वहां ले जाकर नहलाया जाता है। इसके बाद उन्हें बाजरा से बनी खिचड़ी खिलाई जाती है। इसके बाद बैल को अच्छे सजाया जाता है, उनकी सींग को कलर किया जाता है। उन्हें रंगबिरंगे कपड़े पहनाये जाते है, तरह तरह के जेवर, फूलों की माला उनको पहनाते है। शाल उढ़ाते है। इन सब के साथ-साथ घर परिवार के सभी लोग नाच, गाना करते रहते है।

इस दिन का मुख्य उद्देश्य ये है कि बैलों के सींग में बंधी पुरानी रस्सी को बदलकर, नए तरीके से बांधा जाता है। गांव के सभी लोग एक जगह इक्कठे होते है, और अपने अपने पशुओं को सजाकर लाते है। इस दिन सबको अपनी बैलों को दिखने का मौका मिलता है। फिर इन सबकी पूजा करके, पुरे गांव में ढोल नगाड़े के साथ इनका जुलुस निकाला जाता है। इस दिन घर में विशेष तरह के पकवान बनते है, इस दिन पूरम पोली, गुझिया, वेजीटेबल करी एवं पांच तरह की सब्जी मिलाकर मिक्स सब्जी बनाई जाती है। कई किसान इस दिन से अपनी अगली खेती की शुरुवात करते है। कई जगह इस दिन मेले भी लगाये जाते है, यहां तरह-तरह की प्रतियोगितायें आयोजित होती है।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में पोला पर्व मनाने का तरीका

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ बहुत-सी आदिवासी जाति एवं जनजाति रहती है। यहां के गांव में पोला के त्यौहार को बड़ी धूमधाम से मनाते है। यहां सही के बैल की जगह लकड़ी एवं लोहे के बैल की पूजा की जाती है, बैल के अलावा यहां लकड़ी, पीतल के घोड़े की भी पूजा की जाती हैं।

इस दिन घोड़े, बैल के साथ-साथ चक्की (हाथ से चलाने वाली चक्की) की भी पूजा की जाती है। पहले के जमाने में घोड़े-बैल, जीवनी को चलाने के लिए मुख्य होते थे, एवं चक्की के द्वारा ही घर पर गेहूं पीसा जाता था।

तरह-तरह के पकवान इनको चढ़ाये जाते है, सेव, गुझिया, मीठे खुरमे आदि बनांये जाते है। घोड़े के ऊपर थैली रखकर उसमें ये पकवान रखे जाते है। फिर अगले दिन सुबह से ये घोड़े, बैल को लेकर बच्चे मोहल्ले पड़ोस में घर-घर जाते है, और सबसे उपहार के तौर पर पैसे लेते है।

इसके अलावा पोला के दिन मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में **गेड़ी का जुलुस** निकाला जाता है। गेड़ी, बांस से बनाया जाता है, जिसमें एक लम्बा बांस में नीचे १-२ फीट उपर आड़ा करके छोटा बांस लगाया जाता है। फिर इस पर बैलेंस करके, खड़े होकर चला जाता है। गेड़ी कई साइज की बनती है, जिसमें बच्चे, बड़े सभी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है। ये एक तरह का खेल है, जो मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का पारंपरिक खेल है, भारत के अन्य क्षेत्रों में तो इसे जानते भी नहीं होंगें।

पोला का त्यौहार हर इंसान को जानवरों का सम्मान करना सिखाता है।

पोला त्योहार मनाने के पीछे यह कहावत है कि अगस्त माह में खेती-किसानी का काम समाप्त होने के बाद इसी दिन अन्नमाता गर्भ धारण करती है, यानी धान के पौधों में इस दिन दूध भरता है। इसीलिए यह त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार पुरुषों, स्त्रियों एवं बच्चों के लिए अलग-अलग महत्व रखता है। इस दिन पुरुष पशुधन को सजाकर उनकी पूजा करते हैं। स्त्रियां इस त्योहार के वक्त अपने मायके जाती हैं। छोटे बच्चे मिट्ट के बैलों की पूजा करते हैं।

पिठोरी अमावस्या पर पोला पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन अपने पुत्रों की दीर्घायु के लिए चौसष्ठ योगिनी और पशुधन का पूजन किया जाता है। इस अवसर पर जहां घरों में बैलों की पूजा होती है, वहीं लोग पकवानों का लुत्फ भी उठाते हैं। इसके साथ ही इस दिन **बैल सजाओ प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाता है।

पोला पर्व पर शहर से लेकर गांव तक धूम रहती है। जगह-जगह बैलों की पूजा-अर्चना होती है। गांव के किसान भाई सुबह से ही बैलों को नहला-धुलाकर सजाते हैं, फिर हर घर में उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद घरों में बने पकवान भी बैलों को खिलाए जाते हैं।

बैल किसानों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। किसान बैलों को देवतुल्य मानकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। पहले कई गांवों में इस अवसर पर **बैलदौड़** का भी आयोजन किया जाता था, लेकिन समय के साथ यह परपंरा समाप्त होने लगी है।

इस दिन मिट्टी और लकड़ी से बने बैल चलाने की भी परंपरा है। पर्व के २-३ दिन पूर्व से ही बाजारों में लकड़ी तथा मिट्टी के बैल जोड़ियों में बिकते दिखाई देते हैं। बढ़ती महंगाई के कारण अब करीबन ५० से १०० रुपए तक बिकने वाली जोडियां साक्षात बैल से ज्यादा किमतों पर बिकने लगी है। इसके अलावा मिट्टी के अन्य खिलौनों की भी भरमार बाजारों में दिखाई देती है।

यह त्योहार दरअसल कृषि आधारित पर्व है। वास्तव में इस पर्व का मतलब खेती-किसानी, जैसे निंदाई, रोपाई आदि का कार्य समाप्त हो जाना है, लेकिन कई बार अनियमित वर्षा के कारण ऐसा नहीं हो पाता है। खासतौर पर छत्तीसगढ़ में इस लोक पर्व पर घरों में ठेठरी, खुरमी, चौसेला, खीर, पूड़ी जैसे कई लजीज व्यंजन बनाए जाते हैं।

महाराष्ट्रीयन परिवारों में पोला (पोळा) पर्व के दिन घरों में खासतौर पर पूरणपोळी (साटोरी) और खीर बनाई जाती है। बैलों को सजाकर उनका पूजन किया जाता है। फिर उन्हें पूरणपोळी और खीर भी खिलाई जाती है। शहर के प्रमुख स्थानों से उनकी रैली निकाली जाती है।

जिन-जिन घरों में बैल होते हैं, वे इस दिन अपने बैलों की जोड़ी को अच्छी तरह सजा-संवारकर इस दौड़ में लाते हैं। इस पूजन के बाद माताएं अपने पुत्रों से पहले **अतिथि कौन?** इस तरह पूछती है और पुत्र अपना नाम माता को बताते हैं, उसके बाद ही पूरणपोळी और खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ खंडवा तथा अन्य कई स्थानों पर मनाए जाने वाले इस लोक पर्व का नजारा देखने में बहुत ही खूबसूरत दिखाई देता है। मोती-मालाओं तथा रंग-बिरंगे फूलों और प्लास्टिक के डिजाइनर फूलों और अन्य आकृतियों से सजी खूबसूरत बैलों की जोड़ी हर इंसान का मन मोह लेती है।

भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पोळा पर्व कई समाजवासी बहुत ही उत्साहपूर्वक मनाते हैं। बैलों की जोड़ी का यह पोळा उत्सव देखते ही बनता है। इस अवसर पर बैल दौड़ और बैल सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। खास सजी-संवरी बैलों की जोड़ी को इस दौरान पुरस्कृत भी किया जाता है।

मारबद

नागपुर में निकाला जाता था।। अतीत में, अंग्रेजों के साथ बांकाबाई के हाथ मिलाने के विरोध में, बांकाबाई का जुलूस, तन्हा पोला के दिन (पोला के दूसरे दिन) कागज और बांस का उपयोग करके उसका पुतला बनाकर, उस पुतले पर कालिख पोतकर, फटे-पुराने जुते-चप्पलों की माला पहनाकर गांव/शहर में घुमाया जाता है। निश्चित स्थान पर पुतले का दहन किया जाता है। बांकाबाई के पति ने उसके कुकर्मों का विरोध नहीं किया था। इसलिये साथ में उसका पुतला भी जुलुस में शामिल कर जलाया जाता है। बांकाबाई के पुतले को **मारबद** व उसके पति के पुतले को **बडग्या** कहते हैं।

इस दिन (श्रवण अमावस्या के दूसरे दिन) नागपुर और आसपास के गांवों से लोग अपने बच्चों के साथ नागपुर आते हैं। गुब्बारे, खिलौने आदि बेचने वाले लोग यहां दुकाने लगाते हैं। इस समय बारिश की तीव्रता कम होती है। खेती का काम भी कम ही होता है। ब्रिटिश शासन को कई साल बीत चुके हैं, फिर भी बांकाबाई के कुकर्मों के घाव नागपुरकरों और क्षेत्र के नागरिकों के जेहन में आज भी मौजूद हैं।

वर्ष २०२१ में काला मराबती जुलूस की १४१वीं वर्षगांठ और पीली मराबाती जुलूस की १३७वीं वर्षगांठ थी।

पोला के दूसरे दिन मरबत और बडग्या का उत्सव होता है। इस अवसर पर समाज की बुरी आदतों और रोगों को दूर करने के प्रतिकात्मक पुतलों में डाले जाते हैं। साथ ही त्योहार में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों सहित स्थानीय मुद्दों पर टिप्पणी करने वाले बोर्ड लगाये जाते हैं, जो शासन के प्रति जनसामान्य का गुस्सा उजागर करते हैं। वर्ष भर चर्चा में रहने वाले मुद्दे लेकर बडग्या आता है।

मारबाट कैसे बनाते हैं?

यह परंपरा मूल आदिवासियों की है, जिसकी शुरुआत १८८१ से नागपुर में हुई थी। तेली समुदाय के भाईयों ने पीली मरबत बनाकर जलाने की प्रथा शुरु की। तन्हा पोला के दिन बच्चे सड़कों पर घूम-घूम कर चिल्लाते हैं- **घेऊन जा रे मारबद, घेऊन जा रे मारबद**। लाठी, बांस, तनस आदि से बड़े-बड़े पुतले बनाकर उन पर अलग-अलग रंगों के फटे-पुराने कपड़े और चिंदिया लपेटी जाती है। इन पुतलों के गले में टुटी-फुटी पुरानी झाड़ू, फटे कपड़े, टूटे डिब्बे, टायर के टुकड़े आदि की माला पहनते हैं। बडग्या के हाथ में मुसल है और कमर के चारों ओर एक खल (ओखली) बंधा होता है। दोनों पुतलों पर कालिख लगाकर घुमाया जाता है।

महाराष्ट्र सरकार का ई-फसल निरीक्षण अभियान विफल - कपिल राणे

ई-फसल निरीक्षण अभियान पटवारी के माध्यम से कराने की मांग

प्रतिनिधी - महाराष्ट्र सरकार ने ई-फसल सर्वेक्षण ऐप के माध्यम से प्रत्येक किसान को अपनी फसल पंजीकृत करने की मोहिम शुरु की है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को ई-फसल के पंजीकरण में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे किसान को परेशानी हो रही हैं। इसके लिए ग्राम पंचायत सदस्य कपिल राणे ने मांग की है कि पटवारी से ही फसल का निरीक्षण करवाया जाए। अभी तक किसानों के खाते में बोनस का पैसा नहीं आया है, जिससे किसानों में आक्रोश है। किसानों ने साहूकारों से कर्ज लिया है, वे मोबाइल केसे खरीदेंगे क्योंकि उनके पास पैसा नहीं है? कम से कम ७५ फीसदी किसानों के पास मोबाइल नहीं है, ऐसे में सवाल यह है कि ई-फसल सर्वेक्षण केसे किया जाए। ई-फसल सर्वेक्षण के माध्यम से फसल का पंजीयन करते समय भी उत्पादन की समस्या उत्पन्न हो रही है। फसल की जानकारी भरते समय जानकारी केसे भरें। कई किसानों को बांध पर स्थायी परती क्षेत्र और पेड़ों को पंजीकृत करने में भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

गेम्स स्पोर्ट्स एंड केरियर डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा गोंदिया शहर क्रीड़ा समिति का गठन

गोंदिया - गेम्स स्पोर्ट्स एंड केरियर डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा गोंदिया शहर क्रीड़ा समिति का गठन किया गया। गोंदिया शहर में खेल जगत में खिलाड़ियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिससे उनके खेलों में उत्साह की कमी आ रही है। खिलाडी गोंदिया जिले से बाहर नहीं

निकल पा रहे हैं। सभी खेलों को आगे बढ़ाने व उनका प्रचार प्रसार पूरे जिले में हो सके एवं ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी भी आगे आ सके, इसी उद्देश्य से गोंदिया शहर क्रीड़ा समिति खिलाड़ियों के सम्मान मे आगे आयी है। क्रीड़ा समिति मे नगर परिषद मुख्याधिकारी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष विशाल ठाकुर, साजिद शेख, सचिव लोकेश (कल्लू) यादव, कोषाध्यक्ष चेतन मानकर, प्रवक्ता मुजीब बेग, कार्यकारिणी सदस्य नीलेश फुलबांधे, रितुराज यादव, रवीना बरेले, संदीप मेश्राम, उपेन्द्र थापा, अंकुश गजभिये, रोशन कावड़े, जागृत सेलोकर, विशाल कंबड़ी, दिनेश बनसोडे, सचिन उइके का समावेश है। कार्यकारिणी के गठन का पत्र मुख्याधिकारी को सौंपा गया।

इस अवसर पर राकेश ठाकुर, पार्षद दीपक बोबड़े, पार्षद लोकेश यादव उपस्थित थे। गोंदिया शहर क्रीड़ा समिति से सलग्न एसोसिएशन कराटे एसोसिएशन, बॉक्सिंग एसोसिएशन, हॉकी एसोसिएशन, क्रिकेट एकदमी, नेटबॉल एसोसिएशन, एथलेटिक्स, रगबी एसोसिएशन, स्विमिंग एसोसिएशन, रोप स्किपिंग एसोसिएशन, जम्प रोप एसोसिएशन, सेपक टकरा एसोसिएशन, स्कवेश एसोसिएशन, ताइक्वाडो एसोसिएशन, कुडो एसोसिएशन, आष्टे डु मर्दानी अखाडा एसोसिएशन, फेंसिंग एसोसिएशन व पुलिस भर्ती प्रशिक्षण एकड़मी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हेमेंद्र पोद्दार अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निर्वाचित

गोंदिया जिले की बहुचर्चित प्रसिद्ध संस्था अग्रसेन स्मारक समिति के आगामी कार्यकाल के लिए हेमेंद्र सूरजमल पोद्दार निर्विरोध निर्वाचित हुए। ५ सितंबर को अग्रसेन भवन में आयोजित आमसभा में सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन का फैसला लिया गया। जिसमें हेमेंद्र पोद्दार को आगामी ३ वर्षों के कार्यकाल २०२१-२४ के लिए अध्यक्ष नियुक्त हुए। निर्विरोध निर्वाचित होने पर वर्तमान अध्यक्ष राम अग्रवाल द्वारा उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामना दी। साथ ही समाज के सभी समाजबंधुओं, मित्रों द्वारा भी उन्हें बधाइयां दी।

समाज में निर्विरोध चयन की २००८ से चली आ रही परंपरा

अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष पद के लिए २००८ के पूर्व चुनाव लिए जाते थे। किंतु वर्ष २००८ से समाज के सदस्यों द्वारा निर्णय लेते हुए निर्विरोध चयन की प्रक्रिया की शुरुआत की थी। जिसमें २००८ में मोहनलाल अग्रवाल, २०१० में अशोक चंपालाल अग्रवाल तथा २०१२ से २०२१ तक के चार कार्यकाल तक राम बृजमोहन अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी परंपरा को समाज द्वारा ५ सितंबर को आयोजित आमसभा में बढ़ाते हुए समाज के कार्यों में अग्रणी हेमेंद्र पोद्दार का आगामी कार्यकाल के लिए निर्विरोध चयन कर अपनी स्वस्थ परंपरा को बरकरार रखा है।

जन सामान्य के प्रश्नों को हल करने के लिये राष्ट्रवादी निरंतर अग्रसर - पूर्व विधायक राजेंद्र जैन

बूथ समिति का मजबूतीकरण आवश्यक

संवाददाता - आमगांव तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष की महत्वपूर्ण सभा सरस्वती विद्यालय बनगांव में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर राजेंद्र जैन ने अपने संबोधन में कहा कि जन सामान्य नागरिकों की विभिन्न समस्या को हल करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस निरंतर अग्रसर है। साथ ही इस सभा में आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव में पक्ष को मजबूत करने व विस्तार करने के साथ ही बूथ समिति का निर्माण करने पर चर्चा की गई।

आगे उन्होंने कहा कि सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में जिले के विकास के लिए आगामी सभी चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के अधिक से अधिक उम्मीदवार जीत कर आए, इसके लिए सभी को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा तथा पक्ष संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ समिति का मजबूतीकरण आवश्यक है।

आयोजित सभा में राजेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष विजय शिवणकर, नरेश माहेश्वरी, देवेन्द्रनाथ चौबे, टीकाराम मेंढे, कमलबापू बहेकार, अंजली बिसेन, सुरेश हर्षे, राजेश भक्तवर्ती, जियालाल पंधरे, देवेंद्र माछिरके, मुक्तानन्द पटले, चुन्नीलाल सहारे, पियूष झा, संतोष श्रीखंडे, सुभाष यावलकर, राजकुमार प्रतापगडे, बबलू बिसेन, संतोष वंजारी, बाबूलाल दोनोडे, नामदेव पागोटे, भारत पागोटे, प्रमोद शिवणकर, तीरथ येटरे, जयश्री पुड़कर, उषा हर्षे, संगीता दोनोडे, प्रमिला चकोले, शिला हजारे, रुपाली भक्तवर्ती, अनुकला मड़ावी, सिमा शेंडे, संगीता ब्राम्हणकार, लक्ष्मी येडे, कमलेश्वरी भेलावे, सुधा शहारे, अनीता पटले, कांता रहिले, नामदेव दोनोडे, भोला गिरी महाराज, संजय रावत, प्रवीण गेडाम, मूलचंद गायधने, श्यामलाल पारधी, धनलाल मेंढे, प्रशांत कोरे, ईश्वर बिसेन, अजय उके, दीनदयाल गायधने, गोविन्द भंडारकर, श्रीराम चुटे, ललित ठाकुर, भास्कर बोरकर, मूलचंद बघेले, भाऊलाल बघेले, पुरुषोत्तम चुटे, मारुती राऊत, भोजराज सोनवाने, ओमकार सोनवाने, राज चौहान, धर्मा डोंगरे, प्रदुमन महारवाडे, प्रमोद माछिरके, बाबूराव ब्राम्हणकार, लखन भलावी, बालाभाऊ महारवाडे, सुरेंद्र कोटांगले, राजकुमार मेंढे, मारुती मेश्राम, महेंद्र येडे, चंद्रकुमार बिसेन, फत्तु गाते, नरेश रक्षे, वामन कावडे, हुकूमभाऊ कोरे, यादोराव बिसेन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कोविड-१९ प्रशिक्षण शिविर संपन्न

संवाददाता - अर्जुनी मोरगांव तहसील में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक दिवसीय कोविड-१९ प्रशिक्षण शिविर स्थानीय एस.एस.जे. महाविद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भंडारा विभाग के प्रचारक सुजीत कुंभारकर, जिला प्रचारक राजेंद्र ताजने, अखिल भारतीय भटक्या विमुक्त विकास परिषद के दिलीप चित्रीवेकर तथा तहसील कार्यवाहक पंढरी काशिवार संस्था सचिव मुकेश जायसवाल की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया।

आयोजित शिविर में प्रमुख मार्गदर्शक डॉ. ज्ञानेश्वर कापगते, डॉ. महेश नाकाडे, योग प्रशिक्षक क्रांतिकुमार बोरकर ने आगामी संभावित कोरोना के तीसरे चरण के संदर्भ में सावधानी व उपाय योजना के बारे में मार्गदर्शन किया तथा आप कापगते ने बताया कि तीसरे चरण की श्रंखला को सुरक्षा उपाय योजना से ही तोड़ा जा सकता है। साथ ही कोरोना के मरीजों को मानसिक आधार दिया जाए तथा स्वास्थ्य विभाग की सभी सूचनाओं का निर्देशों का पालन किए जाने पर तीसरे चरण से निपटना आसान होगा। साथ ही डॉ. नाकाड़े द्वारा आहार संबंधित जानकारी देकर पोस्टिक आहार जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फल व इन वस्तुओं का समावेश कर रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाई जा सकती है। साथ ही नींबू, संतरा जैसे फलों का उपयोग किया जाए साथ ही प्रत्येक नागरिक द्वारा टीकाकरण करवाया जाए तथा छोटे बच्चों के संदर्भ में असावधान ना रहे तथा जंक फूड का सेवन रोकने की सलाह दी।

योग शिक्षक बोरकर ने बताया कि प्राचीन संस्कृति से दूर होने पर तथा पश्चात संस्कृति के प्रभाव से अपनी दैनिक दिनचर्या बदल गई है। जिसका दुष्परिणाम सामने दिखाई दे रहा है। उत्तम स्वास्थ्य रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने तथा महामारी को रोकने के लिए कम से कम एक घंटा योग प्राणायाम किया जाए। ऑक्सीजन की कमी होना कोरोना के लक्षण है जिसे प्राणायाम के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत माता, डॉ. हेडगेवार, गोलवलकर गुरुजी के छायाचित्र का पूजन व माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना देवानंद गजापूरे व आभार ओमप्रकाशसिंह पवार ने माना।

बारिश व प्रतिबंधों के बावजूद मारबद का उत्साह नहीं हुआ कम

गोंदिया - बैल पोला के दूसरे दिन राज्य में मारबद का पर्व मनाया जाता है। जिसमें मारबद के पुतले का जुलूस निकालकर ईड़ा, पीड़ा घेउन जा गे मारबद के नारे लगाते हुए भ्रमण करते हुए शहर के बाहर उसका दहन किया जाता है। इस वर्ष मारबद के दिन सुबह तेज बारिश व कोरोना वायरस संक्रमण के चलते शासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों भी पर्व का उत्साह कम नहीं कर पाए। शहर के साथ-साथ जिले के विभिन्न स्थानों में मारबद निकालकर उसका दहन किया गया।

गणेश नगर इलाके में प्रतिवर्ष मारबत उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश नगर परिसर में मारबत उत्सव मानाने की परंपरा १९५० के दशक में उदलसिंह लिल्हारे गुरुजी, भोलासिंग ठाकुर, खुशीलाल शर्मा (मुख्याध्यापक), भानुजी सोनवाने, इंदलसिंह लिल्हारे, प्रेमलाल रहमतकर, डॉ. गोविंद रहमतकर, फागुजी सोनवाने, श्रावण तिड़के,

श्यामराव रामटेक्कर, परसराम इटानकार, रामदास तिड़के आदि ने शुरु की थी। इसके पिछे की पौराणिक मान्यता देखी जाय तो भगवान श्री कृष्णजी के जन्म के बाद कंस राक्षस द्वारा पूतना राक्षसनी को कृष्णजी को मारने के उद्देश्य से स्तनपान कराने हेतु भेजा था। पूतना अपने स्तनपान कराने के कार्य में सफल तो रही लेकिन स्तनपान करावाते वक्त उसे बहुत पीड़ा हुई और गांव बाहर जाकर उसने दम तोड़ दिया था।

इसी प्रसंग को दोहराते हुए गणेश नगर में अब भी मारबत का उत्सव पिछले ६५ वर्षों से निरंतर मनाया जा रहा है। यहां हर दुधमुंहा छोटा बालक कृष्ण होता है, और उसे पूतना रुपी मारबत के पुतले का स्तनपान भी कराया जाता है। इसके साथ ही समाज में फैली बुराइयों, कुरीतियों के खिलाफ और बिमारियों को दूर भगाने के लिये घेवून जा गे मरबाद के उद्घोष के साथ गांव की सीमा पर उसका दहन किया जाता हैं।

फुके महाराष्ट्र शतरंज एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

गोंदिया-भंडारा विधान परिषद सदस्य डॉ. परिणय फुके महाराष्ट्र राज्य शतरंज एसोसिएशन की आम सभा में हुए चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। महाराष्ट्र शतरंज एसोसिएशन की ऑनलाइन सभा में परिणय फुके ने गोंदिया के होटल ग्रैंड सीता से हिस्सा लिया था। साथ में गोंदिया जिला शतरंज एसोसिएशन के सचिव मुकेश बाराई व अन्य पदाधिकारियों ने ऑनलाइन मीटिंग में भाग लिया। डॉ. फुके के इस महत्वपूर्ण पद पर चयन होने पर गोंदिया शतरंज व क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी राजू लिमये, नियाज शेख, प्रभाकरराव पालंदुरकर, शिखा पिपलेवार, सुधांशु गायधने आदि ने पुष्पगुच्छ देकर उन्हें बधाई दी। साथ ही जिला शतरंज संघ के पदाधिकारी रवि आर्य, अजय गौर, दीपम पटेल, दिलीप जैन, भावना कदम, राजेंद्र रामानी, संतोष शर्मा, डॉ. नितिन कोतवाल, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. गौरव अग्रवाल, डॉ. कोमल अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल, नरसिंग गहरवार, किशोर उपाध्याय, विवेक रामटेके, शुभम जायसवाल, मयुर गुप्ता ने शुभकामनाएं दी।

किसानों का इंतजार हुआ खत्म : धान के प्रलंबित भुगतान व बोनस के लिए ७७५ करोड रुपए दिए राज्य सरकार ने

सांसद प्रफुल पटेल के प्रयास से गोंदिया जिले को मिले १७२.४० करोड रुपए

गोंदिया - राज्य में शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से वर्ष २०२०-२१ में खरीफ व रबी मौसम के दौरान कुल १ करोड़ ६२ लाख क्विंटल धान की खरीदी की गई। जिसमें शासन द्वारा खरीदी कीमत व ५० प्रतिशत बोनस की राशि किसानों को वितरित की गई तथा ७७५ करोड़ रुपए धान की व ५० प्रतिशत बोनस की बकाया राशि किसानों को दिया जाना बाकी था। इस संदर्भ में सांसद प्रफुल पटेल, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, विधायक राजू कारेमोरे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन द्वारा उप मुख्यमंत्री अजीत पवार तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल से निरंतर चर्चा कर मांग की जा रही थी। हालांकि राज्य की कोरोना के चलते आर्थिक स्थिति संकट में होने के बावजूद किसानों की इस मांग को प्राथमिकता देते हुए बकाया प्रलंबित राशि ७७५ करोड रुपए राज्य सरकार द्वारा ६ सितंबर को मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल को हस्तांतरित की है। जिसके चलते अब आगामी ४ दिनों में उपरोक्त रकम किसानों के खाते में

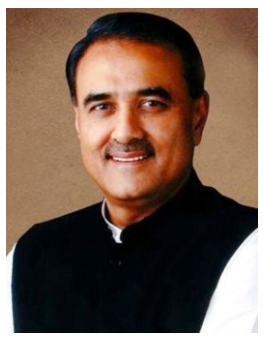

जमा हो जाएंगी।

७२.४० करोड रुपए मिले गोंदिया जिले को

गोंदिया जिले में खरीदी किए गए धान की वह बोनस की कुल रकम ४०५. ४० करोड़ है। जिसमें से २३३ करोड रुपए का भुगतान इसके पूर्व जिले के किसानों को शासन द्वारा कर उनके खाते में जमा किया गया तथा शेष बकाया १७२.४० करोड रुपए आज गोंदिया जिले को प्राप्त हुए। जिसमें से १३३ करोड रुपए जिला मार्केटिंग फेडरेशन तथा ३९.४० करोड रुपए आदिवासी विकास महामंडल को शासन द्वारा प्राप्त हुए।

संक्षिप्त समाचार

सरपंचों का यशदा में मिला प्रशिक्षण

संवाददाता – अर्जुनी मोरगांव तहसील के नवनिर्वाचित सरपंचों को पुणे की यशदा में चार दिवसीय शिविर में प्रशिक्षण दिया गया। उपरोक्त प्रशिक्षण के लिए तहसील सरपंच संघटना के माध्यम से सरपंचों को ग्राम विकास हेतु इस शिविर में शामिल होने के लिए आवाहन किया गया था। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान २०२०-२२ के अंतर्गत नवनिर्वाचित सरपंचों की क्षमता को बढ़ाने के लिए उपरोक्त प्रशिक्षण यशदा के माध्यम से व वणामती प्रशिक्षण संस्था नागपुर में २३ से २७ अगस्त के दौरान आयोजित हुआ। इस अवसर पर वनामती की संचालिका डॉ. माधवी खोड़े, यशदा के समन्वयक लीलाधर पटले उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि शिविर में भोजन बनाने वाले रसोइयों की कोरोना से मौत होने पर उसके परिवार पर आर्थिक संकट निर्माण हो गया। जिसके चलते अर्जुनी मोरगांव तहसील सरपंच संघटन के माध्यम से रसोइए के परिवार को आर्थिक मदद दी गई। इस अवसर पर जानवा के सरपंच किशोर ब्राम्हणकर, सावरटोला के सरपंच युवराज तरोने, प्रतापगढ़ के सरपंच भोजराज लोगड़े, येगांव के अनिल पालीवाल, बोरटोला के कुंदा वैद्य, धाबेपवनी के पपीता नंदेश्वर, कराडली के निशिगंधा खोबरागड़े उपस्थित थे।

खर्रा नहीं देने पर जानलेवा हमला

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम साखरीटोला निवासी शुभम कांतिलाल अग्रवाल (२४) पर आरोपी द्वारा खर्रा न दिए जाने से आक्रोशित होकर जानलेवा हमला कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। उपरोक्त मामले में फरियादी संकेत कांतिलाल अग्रवाल की शिकायत पर तथा चिकित्सा अहवाल के आधार पर सालेकसा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३०७ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनी सुनिल जानकर द्वारा की जा रही है।

पोषण अभियान सप्ताह मनाया गया

गोंदिया – राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव में सामाजिक वनीकरण विभाग द्वारा निर्देशित पोषण अभियान सप्ताह विविध उपक्रमो द्वारा मनाया गया। जिसके तहत पाठशाला परिसर में विविध फलों के पेड़ लगाए गए। जिसमे आम, जामुन, जाम, बेर, करवन्द आदि पौधे लगाए गए। इस

सप्ताह के अंतर्गत प्लांटेशन एक्टिविटी एज़ पोषण वाटिका के तहत विद्यार्थियों को वन संवर्धन के प्रति जनजागृति का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष शाला के मुख्याध्यापक विनय काथवटे प्रमुख अतिथि के रुप में रामटेके, प्रभारी लागवड अधिकारी बल्ले, वनरक्षक गोंदिया हरित सेना प्रभारी अनिल सहारे, क्रीड़ा शिक्षक खेडुलकर मनोज बर्वे प्रमुखता से उपस्थित थे।

शासकीय राशन की धोखाधड़ी

गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले शासकीय राशन गोदाम मुंडीपार से आरोपी द्वारा अपने मोटर वाहन क्रमांक एमएच३५ यू५४६५ के चालक द्वारा मुंडीपार गोंदिया से शासकीय धान गोदाम से गगनबावड़ा कोल्हापुर को पहुंचाने के लिए फरियादी द्वारा ३९० बोरा जिसका कुल वजन १९ मेट्रिक टन शासकीय चावल जिसकी अंदाजन कीमत ३ लाख ९० हजार रुपये न पहुंचा कर आरोपी द्वारा शासकीय राशन का गबन कर धोखाधड़ी की। मामले में कोल्हापुर सहकारी मजूर व हमाल संस्था मर्यादित कोल्हापुर की ओर से फरियादी रमेश जाधव द्वारा गंगाझरी पुलिस थाने में लिखित में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ४०६, ४२० के तहत मामला दर्ज कर जांच पोउपनि चांदेवार द्वारा की जा रही है।

पेंटर एसोसिएशन की आमसभा १२ को

गोंदिया जिला पेंटर एसोसिएशन की आम सभा रविवार १२ सितंबर को पेंटर वासनिक के घर के समीप गोल्डन टाइपिंग के पास मस्जिद हाल, रामनगर, बाजार चौक में सुबह १० बजे आयोजित की गई है। उपरोक्त आमसभा में जिले के सभी पेंटर उपस्थित रहकर अपने विचार व परामर्श करने का आवाहन गोंदिया जिला पेंटर एसोसिएशन के अध्यक्ष नईम भाई द्वारा किया गया है।

जिले में बढ़ रहा डेंगू व मलेरिया का प्रकोप

शहर में बढ़ा मच्छरों का कहर

८ माह में डेंगू के १२२ मलेरिया के ३६७ मामले

गोंदिया जिले में डेंगू व मलेरिया का प्रकोप चल रहा है। जिसके चलते अधिकांश क्षेत्रों में सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की भीड़ अस्पतालों में दिखाई दे रही है। गत ८ माह में जनवरी से अब तक जिले में डेंगू के १२२ व मलेरिया के ३६७ मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें २ मरीजों की मौत हो चुकी है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में गत कुछ समय से डेंगू व मलेरिया का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। जिसके चलते बड़ी संख्या में डेंगू व मलेरिया के मरीज सामने आ रहे हैं। विशेष यह है कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते वैसे ही आम नागरिक भय की स्थिति में चल रहा है। उस पर डेंगू व मलेरिया का कहर नागरिकों के जीवन में नई मुसीबत बनकर सामने आ रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश चौरागढ़े द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जनवरी से अगस्त तक जिले में डेंगू के १२२ मामले सामने आए, जिसमें अगस्त माह में एक मरीज की मौत हुई। उसी प्रकार मलेरिया के ३६७ मामले सामने आए तथा जुलाई माह में एक मरीज की मौत हुई है विशेष यह है कि गोंदिया शहर में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ चुका है। लेकिन प्रशासन द्वारा अब तक मच्छर नाशक, कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव शुरु नहीं किया है। जिसके लिए जिला मलेरिया विभाग द्वारा नगर परिषद प्रशासन को फागिंग मशीन भी उपलब्ध करवाई गई है। शाम होते ही पूरे शहर में मच्छरों का कहर बढ़ जाता है शहर के नागरिकों द्वारा प्रशासन से मांग की गई है कि डेंगू और मलेरिया के संक्रमण के मामले में गंभीरता से नगर परिषद प्रशासन द्वारा कदम उठाकर साफ सफाई के साथ कीटनाशक का छिड़काव नियमित होना चाहिए। साथ ही मानसून के दौरान शहर के सार्वजनिक कुओं में दवाइयों का छिड़काव भी किया जाए।

बुखार आने पर स्वास्थ्य केंद्र में करवाये उपचार

जांच वर्तमान समय में नागरिकों को किसी भी प्रकार का बुखार होने पर समीप के स्वास्थ्य केंद्र में जाकर आरडीके द्वारा मलेरिया की जांच करवाएं जिससे मलेरिया है या नहीं इसका स्पष्ट हो जाता है। साथ ही किसी भी बुखार को अनदेखा ना कर अनुभवी अधिकृत चिकित्सक से उपचार करवाएं साथ ही सप्ताह में १ दिन परिसर व घर के बर्तनों को खाली कर ड्राई डे मनाए तथा घर के आसपास की नालियों में तथा जमा पानी में जला हुआ आईल डाले तथा मच्छरदानी का उपयोग करें।

– डॉ. वेदप्रकाश चौरागढ़े, जिला मलेरिया अधिकारी गोंदिया

५० रुपये के विवाद में वृद्ध की जघन्य हत्या

देवरी के पंचशील चौक की घटना

संवाददाता देवरी - गोंदिया जिले के देवरी शहर के पंचशील चौक में ८ सितंबर की शाम ६.३० बजे के दौरान ५० रुपये के विवाद को लेकर १९ वर्षीय आरोपी द्वारा देवरी निवासी बच्चन गिरी गुंडी (६५) की कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी शहर निवासी बच्चन गिरी गुंडी यह आरोपी कुणाल काबंडे के पिता को दिये उधारी के ५० रुपये मांगने गया था। इस दौरान पैसे को लेकर आरोपी के पिता रामेश्वर काबंडे तथा बच्चन गिरी के बीच विवाद हो गया। जिसमें मृतक द्वारा आरोपी के पिता को धक्का दिए जाने पर आक्रोशित आरोपी द्वारा कुल्हाड़ी से सिर पर व कंधे पर वार कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। घटना की जानकारी देवरी पुलिस को मिलते ही तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की सहायता से जख्मी को ग्रामीण चिकित्सालय में उपचार के लिए दाखिल कराया गया तथा आगे के उपचार के लिए गोंदिया के जिला चिकित्सालय में भेजा गया। लेकिन मार्ग में ही जख्मी की मौत हो गई। उक्त प्रकरण में देवरी पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ ३०७, ५०४ के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया। किंतु जख्मी की मौत होने पर आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच देवरी पुलिस थाने निरीक्षक देवचंद सिंगनजुड़े के मार्गदर्शन में देवरी पुलिस द्वारा की जा रही है।

समय पर शुरु नहीं हुई १०८ एम्बुलेंस

जख्मी को उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय रवाना करने के लिए १०८ एम्बुलेंस बुलाई गई। लेकिन वह शुरु नहीं होने से नागरिकों द्वारा धक्का देकर एम्बुलेंस को शुरु कर किसी तरह गोंदिया के लिए रवाना किया गया। गंभीर घटना के समय यदि आकस्मिक सेवा की एम्बुलेंस की स्थिति खराब हो तो मरीज की जान संकट में आ जाती है। गंभीर रुप से जख्मी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में पहुंचाने के लिए काफी विलंब हुआ।, जिससे उसकी मौत हो गयी।

विभिन्न मांगों को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ का १३ को आंदोलन

गोंदिया जिला प्राथमिक शिक्षकों की प्रलंबित मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से १३ सितंबर को जिला परिषद के सामने धरना आंदोलन आयोजित किया गया। गौरतलब है कि प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न प्रलंबित मांगों को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा निरंतर मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासन द्वारा इस और अनदेखी कर सिर्फ आश्वासन ही दिया गया है। कोरोना के दौरान संगठन द्वारा शासन के दिशा निर्देश अनुसार कार्य कर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। इस दौरान २० से २५ शिक्षकों की मौत भी हुई। साथ ही प्रत्येक माह का वेतन २० से २५ दिनों की देरी से मिलने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

५ सितंबर तक शिक्षकों की मांग मंजूर करने की मांग की गई है। जिसमें उनकी प्रमुख मांगे यह है कि कोरोना से मृत शिक्षकों की बीमा सुरक्षा का प्रस्ताव शासकीय स्तर पर मंजूरी के लिए भेजा जाए, वरिष्ठ श्रेणी का प्रस्ताव मंजूर किया जाए, विज्ञान विषय शिक्षक, उच्च श्रेणी मुख्याध्यापक, शिक्षा विस्तार अधिकारी व केंद्र प्रमुख के रिक्त पद तत्काल भरा जाए, वेतन प्रत्येक माह की ५ तारीख के अंदर दिया जाए, जीपीएफ की स्लिप पर वेतन आयोग के ५ सप्ताह के पंजीयन के साथ दिया जाए, विशेष शिक्षकों को वेतन श्रेणी का लाभ मिले, सातवें वेतन आयोग की दूसरी किस्त की राशि दी जाए, परीक्षा पूर्व अनुमानित व कार्य उत्तर अनुमानित आदेश दिया जाए, छटवें व सातवें वेतन आयोग के वेतन निश्चित का प्रस्ताव पंचायत समिति स्तर पर मंगाकर वित्त विभाग की मंजूरी प्रदान करने सहित अनेक मांगों का समावेश है। इन मांगों का ज्ञापन दिया गया है जिसे लेकर १३ सितंबर को धरना आंदोलन किया जाएगा। यदि इसके पश्चात भी उनकी मांगों पर शासन द्वारा ध्यान नहीं दिया गया तो अनिश्चितकालीन आंदोलन करने का निर्णय महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन की तहसील व जिला कार्यकारिणी द्वारा लिया गया है। इस प्रकार की जानकारी जिला अध्यक्ष टी.डी. कावड़े द्वारा दी गई है। आंदोलन में शामिल होने का आहवान आनंद पूंजे, टी.के. नंदेश्वर, जितेंद्र डाहट, नायना बिसेन, रेनुका जोशी, डी.टी. कावडे, एस.यु. वंजारी, के.एस. रहांगडाले, ए.डी. धारगावे, अरुण शिवनकर, एम.बी. रतनपुरे, अजय चौरे, कृष्णा कापसे, किशोर पटले, अनिल वटी, प्रकाश कुभारे आदि ने किया है।

जिले को अकालग्रस्त घोषित करें

मुख्यमंत्री को भाजपा ने ज्ञापन देकर की मांग

गोंदिया जिले में इस वर्ष औसत से भी कम बारिश होने के चलते खरीफ फसल को भारी नुकसान हुआ है। जिले के अनेक किसानों का बारिश के अभाव में बुवाई भी नहीं हो पाई है। साथ ही फसल को समय-समय पर लगने वाला बारिश का पानी ना आने से किसानों की फसल पर संकट निर्माण हो गया है। जिसके चलते जिले के किसान चिंतित हो चुके हैं। साथ ही इस वर्ष धान उत्पादन पर भारी नुकसान होने की संभावना को देखते हुए किसान पर आर्थिक संकट निर्माण हो सकता है तथा इस प्रकार की स्थिति भी निर्माण हो चुकी है। जिसके कारण शासन द्वारा जिले को अकालग्रस्त घोषित कर किसानों को आर्थिक मदद देने के साथ ही आगामी समय में विभिन्न उपाय योजनाएं की जाए। साथ ही किसानों की अन्य मांगों को लेकर भारतीय जनता पार्टी गोंदिया तहसील द्वारा उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को निवेदन भेजकर मांग की है।

निवेदन देते समय भाजपा के जिला महामंत्री संजय कुलकर्णी, ग्रामिण अध्यक्ष ठाकरे, शहर अध्यक्ष सुनिल केलनका, दवनीवाडा मंडल अध्यक्ष धनेंद्र अटरे, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय टेंभरे, दिपक कदम, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रकाश रहमतकर, नरेंद्र तुरकर, मनोज मेंढे, देवचंद नागपूरे, अर्जुन नागपूरे, सत्यम बहेकार, बंडू मानकर, जिला सचिव राजेश चतुर, योगराज रहांगडाले, मुकेश चन्ने, मनोज पटनायक, अंकित जैन, रमेश शहारे, कुलदिप रिनायत, विनोद बिसेन, अंकेश हरिणखेडे, नुरनाथ दिहारी, भुपेंद्र कटरे, जे. आर. पटले, शंभु ठाकुर, अरुण दुबे आदी उपस्थित थे।

विधायक राहंगडाले ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन

तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ३० लाख रुपये के मंजूर विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया। जिसमें एकोड़ी प्राथमिक स्कूल की सुरक्षा दिवाल का निर्माण व सौंदर्यीकरण, जिप हाईस्कूल की पेविंग ब्लॉक व रामपुर जिप पाठशाला में पेविंग ब्लॉक का समावेश है। उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय राहंगडाले, पूर्व जिप उपाध्यक्ष मदन पटले, पूर्व उपसभापति वसंत भगत, एकोडी के सरपंच शालूताई चौधरी, उपसरपंच वर्षाताई अंबुले, अजाब रीनाईत, महेंद्र बघेले, रेखा चौधरी, पवन पटले, खेमेंद्र तिड़के, किरण मेश्राम, पुरुषोत्तम भदाडे, राकेश बिसेन, जगजीवन बघारे, दीपक रिनाइत, शुभम बोदले, शबनम पठान, संगीता रिनाइत, वहीदा शेख, रंजू पटले, संगीता वरठी, रेनू बिसेन, खालिद पठान, हमजा शेख, पंकज मेश्राम व ग्राम के नागरिक उपस्थित थे।

जन्मभूमि छपारा के अग्रवाल समाज ने किया विधायक विनोद अग्रवाल का सत्कार

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल २ सितंबर शाम को जबलपुर रोड़ लूघरवाड़ा पर स्थित अग्रसेन भवन सिवनी में अग्रवाल समाज ने सत्कार किया। विधायक विनोद अग्रवाल का जन्म छपारा में हुआ था। बाद में उनका परिवार गोंदिया (चांपा) में जाकर बस गया। संघ व जनसंघ से जुड़े जमीनी कार्यकर्ता होने के बावजूद भी उन्हें भाजपा से टिकिट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़कर जीत हासिल की। जनता ने उनके जनहित के कार्य से प्रेरित होकर उन्हें अपना जनमत देकर उन्हें भारी बहुमतो से चुनाव जीताकर इतिहास दर्ज कराया है। विधायक विनोद अग्रवाल ने निर्दलीय चुनाव जीतकर जनता के दिल में अपनी जगह बनाकर जनता ने उन्हें जनता का सेवक के उपाधी से नवाजा है। जनता के सेवा में वह सदैव तत्पर रहते है। विधायक विनोद अग्रवाल ने चुनाव जीतने के बाद अपने पृतक गांव में पहली बार भेट दी। इस अवसर पर उनके आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया और साथ ही अग्रवाल समाज द्वारा उनका सत्कार किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा सभी स्वाजातीय बंधुओ को किसी भी कार्य के लिए अपनी ओर से पूरी मदद देने का आश्वासन दिया। साथ ही अग्रसेन भवन की व्यवस्थाओं की प्रशंसा भी की।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के प्रवक्ता संजय अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष श्रवण अग्रवाल, उपाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, महासचिव नरेश अग्रवाल, सहसचिव तरुण अग्रवाल व कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल सहित समाज के वरिष्ठजन श्यामसुंदर खेमुका, हरिप्रसाद अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल व बड़ी संख्या में कार्य समिति सदस्य, महिला सदस्यों ने विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम को संचालित करने में अनिल खेमुका, अनिल बंसल, उमेश मोदी, अनिल अग्रवाल की प्रमुख भूमिका रही।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।